कला स्नातक

राजनीति विज्ञान (ऑनर्स)

(BAPSH)

सत्रीय कार्य 2025-2026

BPSC-107 अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और विश्व का इतिहास

Faculty of Political Science
SCHOOL OF SOCIAL SCIENCES
INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
MAIDAN GARHI, NEW DELHI-68

BPSC-107: अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और विश्व का इतिहास

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **BPSC-107: अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और विश्व का इतिहास** नामक मूलभूत पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो कि राजनीति विज्ञान में कला स्नातक (ऑनर्स) (BAPSH) द्वितीय वर्ष कार्यक्रम हेतु अनिवार्य विषय है। आपको इस सत्रीय कार्य के तीनों भाग पूरे करने होंगे, जिनके कुल अंक 100 हैं और प्रत्येक भाग का भारांक 30 प्रतिशत है।

सत्रीय कार्य एक में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (डीसीक्यू) हैं। ये निबंध प्रकार के उत्तर लिखने के लिए हैं, जिनमें परिचय और निष्कर्ष होता है। इनका उद्देश्य विषय के बारे में आपकी समझ/ज्ञान को व्यवस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से वर्णित करने की आपकी क्षमता का परीक्षण करना है।

सत्रीय कार्य दो में मध्यम श्रेणी के प्रश्न (एमसीक्यू) हैं। इन प्रश्नों में आपको पहले तर्कों और स्पष्टीकरणों के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा और फिर संक्षिप्त रूप में उत्तर लिखने होंगे। ये प्रश्न अवधारणाओं और प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की आपकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य 3 में लघु श्रेणी के प्रश्न (एससीक्यू) हैं। ये प्रश्न व्यक्तियों, लेखन घटनाओं के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को याद रखने और अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के आपके कौशल को उत्तम बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया BAPSH की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी टीएमए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी विशेष भाग के लिए निर्धारित शब्द सीमा के लगभग भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार होंगे।

सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होने हेतू आपको निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने होंगे। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित सूची के अनुसार जमा किए जाने चाहिए।

सत्र	**सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख**	**सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान**
जुलाई, 2025 सत्र के लिए **जनवरी, 2026 सत्र के लिए**	**31 मार्च, 2026** **30 सितंबर 2026**	**अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास**

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

आप सभी को शुभकामनाएँ,

राजनीति विज्ञान संकाय

बीपीएससी-107: अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और विश्व इतिहास

(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: **BPSC-107**

सत्रीय कार्य कोड: **BPSC-107/ASST/TMA/2025-26**

अंक: **100**

इस सत्रीय कार्य में तीन भाग हैं। आपको प्रत्येक भाग के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। 20

2. प्रथम विश्व युद्ध के क्या परिणाम हुए? विस्तार से बताइए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

1. आलोचनात्मक सिद्धांत और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से इसके संबंध की व्याख्या कीजिए। 10

2. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में समाजवाद की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए। 10

3. ई. एच. कार के यथार्थवादी सिद्धांत का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 10

सत्रीय कार्य - III

निम्नलिखित पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। प्रत्येक संक्षिप्त टिप्पणी के 6 अंक हैं।

1. सोवियत रूस में औद्योगीकरण 6

2. निर्भरता विचारधारा 6

3. पेरिस शांति सम्मेलन 6

4. द्वितीय विश्व युद्ध में भारत का योगदान 6

5. नाज़ीवाद का उदय 6